vinetur

खाद्य-ग्रेड प्लास्टिक चिह्न न होने पर भारतीय निरीक्षकों ने Diageo की 18,000 शराब पेटियाँ क्वारंटीन कीं

अधिकारियों ने कहा कि United Spirits के एक संयंत्र में बोतलों पर आवश्यक रीसाइकल्ड PET प्रतीक नहीं था, जिससे $1.6 million मूल्य का स्टॉक रोक दिया गया।

बुधवार, 12 अगस्त 2026



भारतीय खाद्य सुरक्षा निरीक्षकों ने Bengaluru स्थित United Spirits के एक संयंत्र में Diageo की whisky और vodka की करीब 18,000 पेटियाँ रोक दी हैं। सरकारी दस्तावेज़ों के अनुसार, तैयार उत्पाद और प्लास्टिक पैकेजिंग सामग्री को मिलाकर इनकी कीमत लगभग $1.6 million आंकी गई थी।

प्रभावित स्टॉक की जांच पिछले हफ्ते दक्षिण भारत के उस संयंत्र में की गई, जिसे Diageo की सूचीबद्ध भारतीय इकाई United Spirits संचालित करती है। Reuters द्वारा उद्धृत सरकारी ज्ञापनों के अनुसार, Food Safety and Standards Authority of India, या FSSAI, के अधिकारियों ने पाया कि स्पिरिट्स के लिए इस्तेमाल की गई कुछ छोटी प्लास्टिक

बोतलों पर मानक PET प्रतीक तो था, लेकिन खाद्य-ग्रेड रीसाइकल्ड PET के लिए आवश्यक अलग चिह्न नहीं था।

दस्तावेज़ों के मुताबिक, इसी गायब प्रतीक के आधार पर कार्रवाई की गई। भारतीय अधिकारियों ने इसे खाद्य सुरक्षा, लेबलिंग और मिसब्रांडिंग से जुड़ा मामला माना और जनस्वास्थ्य के हित में स्टॉक को जब्त या क्वारंटीन करने की प्रक्रिया शुरू की।

Diageo India ने पुष्टि की कि नियामकों ने उसके इन्वेंटरी के एक हिस्से के खिलाफ कार्रवाई की है, लेकिन उसने उत्पादों को स्थायी रूप से जब्त किए जाने के बजाय क्वारंटीन में रखे जाने के रूप में वर्णित किया। Reuters द्वारा रिपोर्ट किए गए एक बयान में United Spirits ने कहा कि कुछ बोतलों को "have been quarantined by authorities until further direction." कंपनी ने यह भी जोड़ा कि कंटेनर FSSAI द्वारा अनुमोदित एक रीसाइकलर से लिए गए थे और आपूर्तिकर्ताओं द्वारा अनिवार्य परीक्षण किया गया था। साथ ही उसने कहा कि उसके उत्पाद उपभोग के लिए सुरक्षित हैं और उपभोक्ताओं के लिए स्वास्थ्य जोखिम से इनकार किया।

FSSAI ने इस मामले पर कोई जवाब या सार्वजनिक रूप से उपलब्ध बयान जारी नहीं किया, और Reuters ने कहा कि नियामक ने उसके सवालों का जवाब नहीं दिया।

यह कार्रवाई लगभग 180 मिलीलीटर की प्लास्टिक बोतलों पर केंद्रित थी, जो भारत के स्पिरिट्स बाजार में एक आम आकार है। Diageo की बड़े आकार की बोतलें अधिकतर कांच में बेची जाती हैं, लेकिन छोटे प्लास्टिक पैक कई राज्यों में खुदरा बिक्री के लिए व्यापक रूप से इस्तेमाल होते हैं, खासकर मास-मार्केट whisky खंड में।

सरकारी ज्ञापनों के अनुसार, छह से अधिक ब्रांड इससे प्रभावित हुए। इनमें DSP Black Deluxe Whisky, VAT 69 blended Scotch whisky और Smirnoff Zesty Lime Triple Distilled Flavoured Vodka शामिल थे। दस्तावेज़ों में यह नहीं बताया गया कि $1.6 million की कुल राशि का कितना हिस्सा तैयार मादक पेयों से जुड़ा था और कितना हिस्सा पैकेजिंग सामग्री को दर्शाता था, जिससे यह स्पष्ट नहीं हो सका कि बिक्री योग्य स्टॉक का कितना हिस्सा सीधे प्रभावित हुआ है।

Bengaluru का यह मामला अनुपालन, सामग्री घोषणाओं और लेबलिंग को लेकर शराब उत्पादकों और अन्य उपभोक्ता वस्तु कंपनियों के खिलाफ FSSAI के व्यापक नियामकीय अभियान में एक नया वित्तीय आयाम जोड़ता है। हाल के दिनों में एजेंसी ने कुछ Diageo whisky ब्रांडों पर परिपक्वता और फ्लेवरिंग के उनके वर्णन को लेकर भी कार्रवाई की है, जो $40 billion के भारत के शराब उद्योग को असहज करने वाले व्यापक अभियान का हिस्सा है।

यह अभियान भारत के Indian Made Foreign Liquor बाजार, या IMFL, में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों खिलाड़ियों तक पहुंचा है, जिसमें स्थानीय रूप से उत्पादित वे स्पिरिट्स शामिल हैं जो whisky, rum और vodka जैसी वैश्विक श्रेणियों के अनुरूप बनाए जाते हैं। बड़े उत्पादकों के लिए दांव ऊंचे हैं, क्योंकि भारत मात्रा के हिसाब से दुनिया के सबसे बड़े स्पिरिट्स बाजारों में से एक है और प्रीमियमाइजेशन के लिए सबसे महत्वपूर्ण वृद्धि बाजारों में भी शामिल है।

Diageo ने अक्सर भारत को एक प्रमुख दीर्घकालिक बाजार के रूप में रेखांकित किया है। कंपनी ने इसे अपना "consumer market of the decade" कहा है, और मार्च 2026 तक के वर्ष में वहां लगभग $3 billion का राजस्व दर्ज किया। United Spirits के जरिये वह देश के शराब कारोबार में फ्रांस की Pernod Ricard के साथ दो मुख्य विदेशी-समर्थित ताकतों में से एक है।

वर्तमान विवाद भारत के पैकेजिंग नियमों के एक तकनीकी लेकिन महत्वपूर्ण हिस्से से जुड़ा है। PET, या polyethylene terephthalate, पेय कंटेनरों में इस्तेमाल होने वाला एक आम प्लास्टिक है। जब खाद्य और पेय पैकेजिंग में recycled PET का उपयोग किया जाता है, तो भारतीय नियम ऐसे चिह्नों की मांग करते हैं जो सामग्री को रीसाइकल्ड और food contact के लिए उपयुक्त बताते हों। निरीक्षकों ने कहा कि जिन बोतलों की उन्होंने जांच की, उन पर केवल यह दिखाया गया था कि वे PET बोतलें हैं, यह नहीं कि वे अनुमोदित food-grade recycled PET से बनी हैं।

यह अंतर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि नियामक पैकेजिंग आपूर्ति श्रृंखला के जरिये अनुपालन को ट्रैक करने के लिए इस चिह्न का उपयोग करते हैं। सरकारी दृष्टिकोण से, एक गायब प्रतीक यह संदेह पैदा कर सकता है कि बोतल food-contact मानकों को पूरा करती है या नहीं, भले ही निर्माता का कहना हो कि पैकेजिंग एक अनुमोदित रीसाइकलर से आई थी और आवश्यक परीक्षणों में पास हुई थी।

Diageo के लिए तत्काल समस्या नियामकीय होने के साथ-साथ परिचालन संबंधी भी है। करीब 18,000 पेटियों पर क्वारंटीन से आपूर्ति बाधित हो सकती है, ऐसे बाजार में जहां छोटे आकार की बोतलें उपभोक्ताओं तक पहुंचने का एक अहम जरिया हैं। इससे भंडारण, अनुपालन समीक्षा, पुन:लेबलिंग या पुन:पैकेजिंग, और यदि अधिकारी इसे केवल दस्तावेज़ी समस्या से अधिक मानते हैं तो संभावित कानूनी कार्रवाई से जुड़े खर्च भी पैदा हो सकते हैं।

यह मामला भारत में स्पिरिट्स कंपनियों के लिए संवेदनशील समय में भी सामने आया है। FSSAI ने हाल ही में कुछ whiskies द्वारा उम्र, परिपक्वता और फ्लेवरिंग के उपयोग को बताने के तरीके पर सवाल उठाए हैं। Reuters ने कुछ दिन पहले रिपोर्ट किया था कि नियामक ने परिपक्वता और कृत्रिम फ्लेवरिंग से जुड़े भ्रामक घोषणाओं के कारण Diageo के दो whisky ब्रांडों पर रोक लगा दी थी। एजेंसी ने कंपनी को इस दावे पर भी चेतावनी दी कि उसकी प्रमुख whiskies में से एक “matured in American oak casks” है, जबकि Reuters द्वारा उद्धृत नियामक के रुख के अनुसार उत्पाद का अधिकांश हिस्सा वास्तव में परिपक्व नहीं किया गया था।

कुल मिलाकर, ये कदम संकेत देते हैं कि भारतीय नियामक अब केवल यह नहीं देख रहे कि बोतल के अंदर क्या है, बल्कि यह भी कि बोतल खुद कैसे प्राप्त की गई, कैसे चिह्नित की गई और उपभोक्ताओं के सामने कैसे प्रस्तुत की गई। यह उद्योग के लिए एक व्यापक अनुपालन चुनौती है, क्योंकि यह उत्पाद संरचना, विज्ञापन भाषा, पैकेजिंग खरीद और संयंत्र-स्तरीय नियंत्रणों तक फैली हुई है।

Bengaluru में, अगला व्यावहारिक कदम इस पर निर्भर करेगा कि FSSAI United Spirits को क्या निर्देश देता है। Diageo का कहना है कि वह नियामक के साथ संपर्क में है और यह बनाए हुए है कि उसकी बोतलें एक अधिकृत रीसाइकलिंग श्रृंखला के जरिये खरीदी गई थीं। जब तक यह प्रक्रिया सुलझती नहीं, प्रभावित मामले संयंत्र में परिसंचरण से बाहर बने हुए हैं, और अभी तक इस बात का कोई सार्वजनिक संकेत नहीं है कि उन्हें कब या किन शर्तों पर जारी किया जा सकता है।